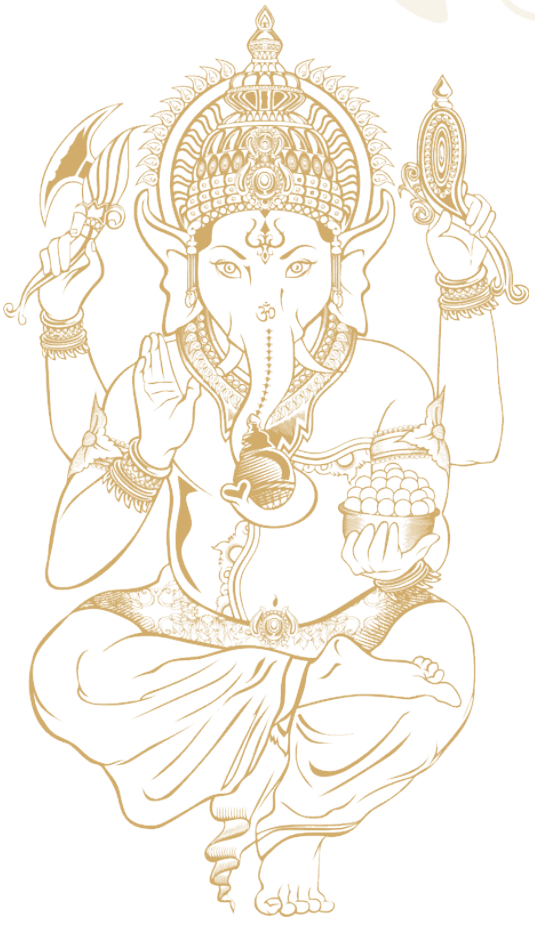

Mr.sd

06 Nov 2006

06:35 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120378403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/11/2006**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:35:00 घंटे**
इष्ट	59:09:24 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:50:40 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	08:51:08 घंटे
सूर्योदय	06:55:14 घंटे
सूर्यास्त	18:00:32 घंटे
दिनमान	11:05:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:31:20 तुला
लग्न के अंश	14:11:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:11:20	315:44:33	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	19:31:20	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			मेष	26:28:45	14:43:46	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल		अ	तुला	15:06:30	00:40:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	26:02:41	01:11:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	02:01:40	00:13:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	तुला	21:52:52	01:15:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			सिंह	00:17:16	00:03:14	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	00:21:50	00:07:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	00:21:50	00:07:21	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	16:56:28	00:00:42	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:05:40	00:00:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	01:06:20	00:01:47	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	16:22:53	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:10

लग्न-चलित

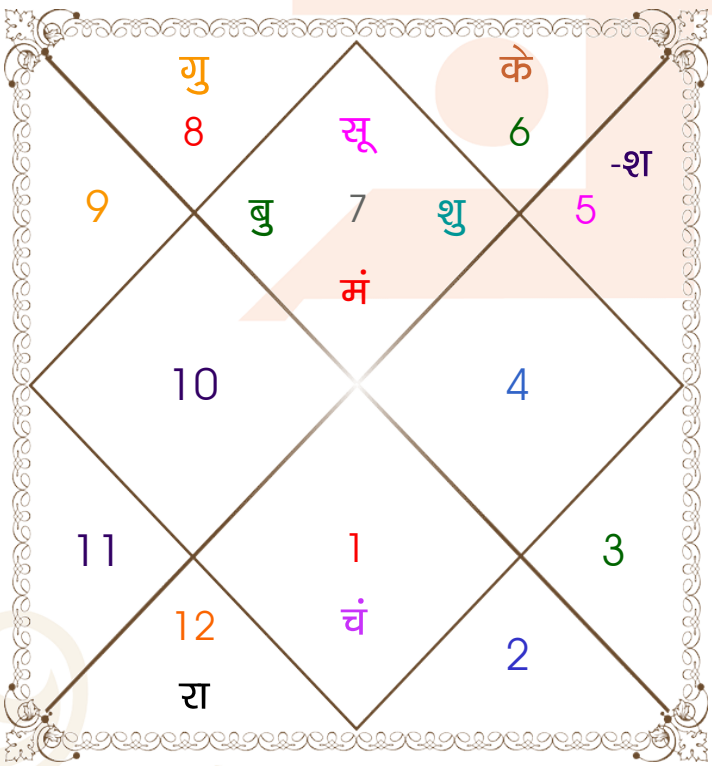

चन्द्र कुंडली

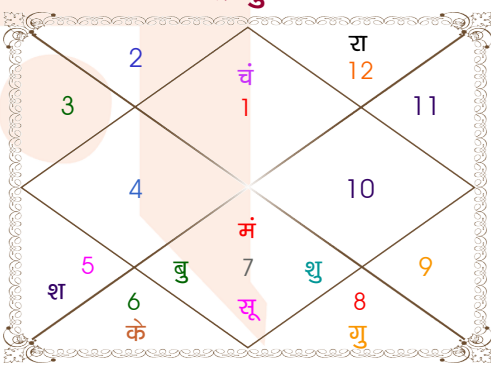

नवमांश कुंडली

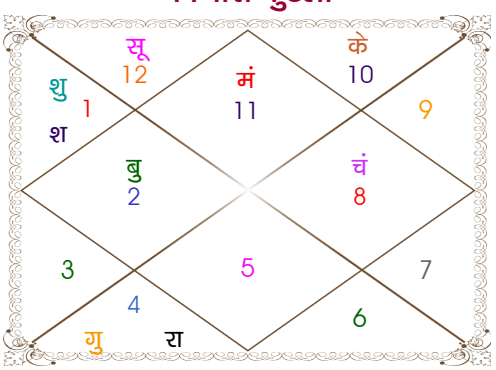

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 3 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/11/2006		17/02/2007		16/02/2013		17/02/2023		16/02/2030	
17/02/2007		16/02/2013		17/02/2023		16/02/2030		17/02/2048	
	00/00/0000	सूर्य	06/06/2007	चंद्र	17/12/2013	मंगल	16/07/2023	राहु	29/10/2032
	00/00/0000	चंद्र	06/12/2007	मंगल	18/07/2014	राहु	02/08/2024	गुरु	25/03/2035
	00/00/0000	मंगल	12/04/2008	राहु	17/01/2016	गुरु	09/07/2025	शनि	29/01/2038
	00/00/0000	राहु	06/03/2009	गुरु	18/05/2017	शनि	18/08/2026	बुध	17/08/2040
	00/00/0000	गुरु	23/12/2009	शनि	18/12/2018	बुध	15/08/2027	केतु	05/09/2041
	00/00/0000	शनि	05/12/2010	बुध	18/05/2020	केतु	11/01/2028	शुक्र	05/09/2044
	00/00/0000	बुध	12/10/2011	केतु	17/12/2020	शुक्र	12/03/2029	सूर्य	30/07/2045
	06/11/2006	केतु	17/02/2012	शुक्र	18/08/2022	सूर्य	18/07/2029	चंद्र	29/01/2047
केतु	17/02/2007	शुक्र	16/02/2013	सूर्य	17/02/2023	चंद्र	16/02/2030	मंगल	17/02/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/02/2048		17/02/2064		17/02/2083		17/02/2100		18/02/2107	
17/02/2064		17/02/2083		17/02/2100		18/02/2107		07/11/2126	
गुरु	06/04/2050	शनि	20/02/2067	बुध	15/07/2085	केतु	16/07/2100	शुक्र	19/06/2110
शनि	17/10/2052	बुध	30/10/2069	केतु	12/07/2086	शुक्र	15/09/2101	सूर्य	19/06/2111
बुध	23/01/2055	केतु	09/12/2070	शुक्र	12/05/2089	सूर्य	21/01/2102	चंद्र	17/02/2113
केतु	30/12/2055	शुक्र	07/02/2074	सूर्य	19/03/2090	चंद्र	22/08/2102	मंगल	19/04/2114
शुक्र	30/08/2058	सूर्य	20/01/2075	चंद्र	18/08/2091	मंगल	18/01/2103	राहु	19/04/2117
सूर्य	18/06/2059	चंद्र	20/08/2076	मंगल	14/08/2092	राहु	06/02/2104	गुरु	19/12/2119
चंद्र	17/10/2060	मंगल	29/09/2077	राहु	04/03/2095	गुरु	11/01/2105	शनि	18/02/2123
मंगल	23/09/2061	राहु	05/08/2080	गुरु	09/06/2097	शनि	20/02/2106	बुध	18/12/2125
राहु	17/02/2064	गुरु	17/02/2083	शनि	17/02/2100	बुध	18/02/2107	केतु	07/11/2126

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।